आओ चलें सम्पूरणता की ओर .....

07 / 11 / 14 की मुरली से

- स्वमान :-

√ मैं प्रक्रितिजीत मायाजीत आत्मा हूँ ।

- गुण / धारणा / अभ्यास पर अटेंशन :-

√ कल्याणकारी :- पहले स्व का कल्याण करना फिर सर्व का कल्याण करना

- बाबा से सम्बन्ध का अनुभव :-

√ सतगुरु

- मनन चिंतन :-

√ सर्व आत्माओं का कल्याण करने के लिए किन धारणाओं का होना आवश्यक है ?

@ शिवभगवानुवाच :-

→_→ रोज रात को सोने से पहले बापदादा को पोतामेल सच्ची दिल का दे दिया तो धरमराजपुरी में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी ।

- होमवर्क :-

- Total Marks :- 50 -

- पॉइंट 1 To 7 के 5 मार्क्स हैं -

- पॉइंट 8 के 15 मार्क्स हैं -

(1) साइलेंस के हुनर से बार बार हद की दुनिया से पार बेहद में जाने का अभ्यास किया ?

(2) फखुर रहा की बाप हमें कितना वंडरफुल ज्ञान देकर कितनी बड़ी प्राइज देते हैं ?

(3) बेधड़क होकर बहुत रसीले ढंग से सेवा की ?

(4) सुजाग रहे और दूसरी आत्माओं को भी सुजाग किया ?

(5) प्रकृति व माया की हलचल में तो नहीं आये ?

(6) अकल्याण के वायुमंडल के प्रभाव में तो नहीं आये ?

(7) एक दुसरे के विचारों को सम्मान दिया ?

@ बापदादा (05/11/2014) :-

→_→ चारों ओर के चैतन्य जगे हुए दीपकों को दीपराज की ओम् शान्ति । यह चैतन्य दीपक कितने प्यारे हैं । आप सबका यादगार विश्व में मना रहे हैं और आप चैतन्य दीपक दीपराज से मिलन मना रहे हैं ।

(8) आज दिन में बार बार स्वयं को चैतन्य दीपक समझ दीपराज बाबा से से मिलन मनाया ?

⊙_⊙ आप सभी बाबा के प्यारे प्यारे बच्चों से अनुरोध है की रात्रि में सोने से पहले बाबा को आज की मुरली से मिले होमवर्क के हर पॉइंट के मार्क्स ज़रूर दें ।

● मनन चिंतन :-

√ सर्व आत्माओं का कल्याण करने के लिए किन धारणाओं का होना आवश्यक है ?

- सूरज चाँद से भी पार परमधाम में जाने के लिए जो बाप ने हुन्नर सिखाया है उसे सभी आत्माओ को सिखाएं |
- साइंस के घमंड के बजय साइलेंस का हुन्नर व् फखुर (नशा) रखें |
- हम आत्मा सम्पूर्ण पवित्र बन बेहद के बाप के साथ घर जायेंगे - यह स्मृति बनाए रखें |
- बेहद के अटेंशन से मनुष्य से देवता बनने की पढ़ाई की धारणा।
- रेग्युलर मुरली सुनकर सजाग रहते सर्व को सजाग रखें ।
- हलचल में भी अचल अडोल स्थिति बनाये रख प्रकृतिजीत व् मायाजीत बनकर रहे।

ॐ शांति।